[This question paper contains 3 printed pages]

5964 *Your Roll No*

आपका अनुक्रमाक _____

B.A (Hons.)/III/NS **J**

SOCIOLOGY – Paper-VII

(Sociological Theory)

(Admissions of 2005 & onwards)

Time 3 *Hours* *Maximum Marks* 75

समय 3 *घण्टे* *पूर्णांक* 75

(Write your Roll No on the top immediately on receipt of this question paper)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाक लिखिए।)

Note – Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper

टिप्पणी – इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा मे दीजिए, लेकिन सभी उत्तरो का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **five** *questions At least* **two** *questions from each section are compulsory*
All *questions carry equal marks*

किन्ही **पॉच** *प्रश्नो के उत्तर दीजिए।*
प्रत्येक भाग से कम से कम **दो** *प्रश्न आवश्यक है।*
सभी *प्रश्नो के अक समान है।*

P T O

SECTION I (खड – I)

1 What is surplus value ? Discuss its significance in Marx's understanding of Capitalism

अधिशेष मूल्य से क्या तात्पर्य है ? मार्क्सवाद के पूँजीवाद विषयक बोध मे इसके महत्व का विवेचन कीजिए ।

2 Illustrate how interpretative understanding is central to Weber's sociology

उदाहरण देते हुए समझाइए कि वेबर के समाज विज्ञान के लिए निवर्चनात्मक बोध किस प्रकार केन्द्रीय है ।

3 Examine the place of crime and punishment in Durkheim's analysis of social solidarity

सामाजिक सुदृढता के सबध मे दुर्खीम के विश्लेषण मे अपराध और दड के स्थान का परीक्षण कीजिए ।

4 Compare Marx and Weber's views on the emergence of Capitalism

पूँजीवाद के आविर्भाव पर मार्क्स और वेबर के विचारो की तुलना कीजिए ।

SECTION II (खड – II)

5 Discuss Parsons's theory of social action

पार्सन के सामाजिक क्रिया के सिद्धात का विवेचन कीजिए।

6 Discuss the concept of duality in Levi–Strauss's analysis of society

लेवी-स्ट्रॉस के समाज विषयक विश्लेषण मे द्वैत की सकल्पना का विवेचन कीजिए।

7 Show how practices generate the habitus

सिद्ध कीजिए कि प्रथाएँ किस प्रकार स्वभाव का निर्माण करती है।

8 Compare the relationship between individual and society in theories of Durkheim, Mead and Goffman

दुर्खीम, मीड और गॉफमैन के सिद्धातो मे व्यक्ति और समाज के सबध की तुलना कीजिए।